

प्रेषक,

हरिश्चन्द्र जोशी,  
सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

आयुक्त,  
खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग,  
उत्तरांचल, देहरादून।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 13 नवम्बर, 2006

विषय: वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुदान संख्या-25 के लेखाशीर्षक संख्या-2408-के अन्तर्गत प्रथम अनुपूरक अनुदान की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त नियंत्रक, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के पत्रांक: 463/आओशाओ/खाद्य/2006-07, दिनांक: 29.08.2006 तथा शासनादेश संख्या-1171/XIX/बजट/06-44/खाद्य/2006, दिनांक- 21 सितम्बर, 2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुदान संख्या-25 के लेखाशीर्षक-2408-के अन्तर्गत प्रथम अनुपूरक अनुदान के अन्तर्गत आयोजनेत्तर पक्ष में निम्नांकित मानक मदों में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष निम्नलिखित शर्तों के अधीन रुपये 1200 लाख (रुपये बारह लाख मात्र) की धनराशि को आपके निर्वतन पर रखते हुए व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

अनुदान संख्या-25	(धनराशि हजार रु० में) आयोजनेत्तर
लेखाशीर्षक-2408-खाद्य भण्डारण तथा भण्डागारण	
01-खाद्य-आयोजनेत्तर	
001-निदेशन तथा प्रशासन	
03-अधिष्ठान व्यय (खाद्य एवं पूर्ति)-00	
02-मजदूरी	50
04-यात्रा व्यय	50
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	100
13-टेलीफोन पर व्यय	100
15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	900
योग (रुपये बारह लाख मात्र)	1200

1- वित्तीय वर्ष 2006-07 के लिए अधिकृत धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजना पर ही व्यय किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नई मदों के क्रियान्वयन के लिए नहीं किया जायेगा। यात्रा व्यय तथा पीओएलओ के अन्तर्गत ग्री-आडिट बिलों का भुगतान नियमानुसार सम्बन्धित मदों में कराया जाना सुनिश्चित किया जाये।

2- स्वीकृत कार्यों पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुवल, स्टोर परचेज रूलस एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जायेगा।

- 3- यह सुनिश्चित किया जाए कि स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसी मद पर व्यय नहीं किया जायेगा जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो, उस प्रकरण में व्यय के पूर्व यह प्राप्त कर ली जाय।
- 4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का समय से उपयोग करने के लिए यह सुनिश्चित करें, कि धनराशियों को परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दिया जाय तथा व्यय का विवरण पूर्व में स्वीकृत मानक मदों की धनराशि को समायोजित करते हुए यथा समय प्रत्येक माह बी०एम-13 पर शासन को उपलब्ध कराया जाय।
- 5- समस्त चालू निर्माण कार्य, मशीनों, उपकरण एवं संयंत्र तथा कम्प्यूटर आदि के क्रय तथा अवचन मदों पर धनराशि के व्यय हेतु शासन की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जायेगी।
- 6- यह सुनिश्चित किया जाय कि शासन द्वारा उपरोक्त निर्देशों के अतिरिक्त इस संबंध में जारी शासनादेशों का अनुपालन अधीनस्थ तक भी सुनिश्चित करने का कष्ट करें।
- 7- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-25 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2408-खाद्य भण्डारण तथा भण्डागारण-01-खाद्य-आयोजनेत्तर-001 -निदेशन तथा प्रशासन-03-अधिष्ठान व्यय (खाद्य एवं पूर्ति)-00 की प्रस्तर-1 में अंकित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
- 8- यह आदेश वित्त विभाग के अ०प०सं०- 660/वि०अनु०-5/2006 दिनांक: 08 नवम्बर, 2006 में दी गई सहमति से जारी किया जा रहा है।

भवदीय,

(हरिश्चन्द्र जोशी)  
सचिव।

संख्या-1308

(1)/XIX/बजट/06-103/2006, तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- आयुक्त कुमायूँ/गढ़वाल मण्डल।
- 3- वित्त नियंत्रक, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, उत्तरांचल, देहरादून।
- 4- समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- 5- वरिष्ठ सम्भागीय वित्त अधिकारी, खाद्य, गढ़वाल/कुमायूँ संभाग, देहरादून/हल्द्वानी।
- 6- सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, गढ़वाल/कुमायूँ संभाग, देहरादून/हल्द्वानी।
- 7- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तरांचल देहरादून।
- 8- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
- 9- समस्त जिलापूर्ति अधिकारी, उत्तरांचल।
- 10- वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 11- समन्वयक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 12- गार्ड फाईल/मूल पत्रावली संख्या-44/खाद्य/06 हेतु।

आज्ञा से, :

उच्चा  
(एम०सी०जी०)  
अपर सचिव।